

2nd November 2020

The National Stock Exchange of India Limited Exchange Plaza, 5 th Floor Plot No..C/1, G Block Bandra Kurla Complex Bandra(E) Mumbai – 400 051. Code: EIHOTEL	BSE Limited Corporate Relationship Dept. 1 st Floor,New Trading Ring Rotunda Building Phiroze Jeejeebhoy Towers Dalal Street, Fort Mumbai-400001 Code:500840	The Calcutta Stock Exchange Limited 7, Lyons Range Kolkata-700001 Code:05
---	--	--

Sub: Newspaper Advertisement Regarding Basis of Allotment

Dear Sir / Madam

With reference to our intimations regarding raising of funds through Rights Issue and opening of issue on 29th September 2020,

Advertisement regarding Basis of Allotment was published in the following newspapers on 2nd November 2020:

- Business Standard (English - All editions)
- Business Standard (Hindi - All editions), and
- Ei Samay (Bengali - Kolkata) (Bengali being the regional language of Kolkata, where the Company's registered office is situated).

We request you to take the above on record.

Thanking you

Yours faithfully
For **ElH Limited**

SN Sridhar
Company Secretary

खुदरा, दूरसंचार में सुधार से मिलेगा आरआईएल के शेयर को सहारा

एकीकृत परिचालन लाभ में इन दोनों क्षेत्रों की हिस्सेदारी आधी है और दूसरी तिमाही में खुदरा क्षेत्र का प्रदर्शन रहा उम्दा

उज्ज्वल जौहरी और राम प्रसाद साहू
नई दिल्ली/मुंबई, 1 नवंबर

सितंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में हाल में गिरावट का रुख दिखाने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सुधार की संभावना है। दूरसंचार व खुदरा कारोबारों में निवेश, कर्ज में कटौती और तेल व रसायन कारोबार के सुस्त परिदृश्य के बाद इस शेयर को आगे बढ़ने के संकेतक नहीं मिल रहे हैं। दूसरी तिमाही के प्रदर्शन के अतिरिक्त बाजार की नजर फ्यूचर समूह के साथ सौदे पर होने वाली प्रगाति, दूरसंचार कारोबार में टैरिफ की

बढ़ोतरी और तेल व रसायन कारोबार की हिस्सेदारी बिक्री पर होगी। एचडीएफसी सिस्कोरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, खुदरा व दूरसंचार कारोबार में संभावित पुनर्गठन व वैल्यू अनलॉकिंग जैसे संकेतकों का इंतजार बाजार को रहेगा।

बाजार की नजर डिजिटल और खुदरा क्षेत्र पर भी होगी क्योंकि इन दोनों क्षेत्र अब एकीकृत परिचालन लाभ में आधे का योगदान कर रहे हैं। उच्च बट्ट वाले इन दोनों कारोबारों के परिचालन के मोर्चे पर प्रदर्शन को लेकर बाजार निराश नहीं है।

दूरसंचार कारोबार में राजस्व में हुई 36 फीसदी की बढ़ोतरी ग्राहकों में हुई बढ़ोतरी और

औ सत राजस्व प्रति ग्राहक में आई उछाल की अनुआई में हुई। क्रमिक आधार पर कंपनी का एआरपीयू 3.3 फीसदी रहा (ग्राहक जुड़ाव से), जो भारती एयरटेल के प्रति ग्राहक राजस्व से थोड़ा ज्यादा है। वहीं इसमें हुई 13 फीसदी की हुई सालाना बढ़ोतरी पिछले साल दिसंबर में हुई कीमत बढ़ोतरी के कारण हुई।

एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले ग्राहकों में 1.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई जबकि क्रमिक आधार पर 2.6 फीसदी। ज्याके ग्राहकों की संख्या में एयरटेल के मुकाबले कम बढ़ोतरी हुई लेकिन इसके ग्राहकों का आधार एयरटेल के मुकाबले 38 फीसदी ज्यादा रहा। राजस्व में मजबूत बढ़ोतरी से सालाना

आधार पर परिचालन लाभ में 53 फीसदी की बढ़ोतरी में मदद मिली।

एआरपीयू अब डेटा के ज्यादा इस्तेमाल से ऊपर जाने की संभावना है क्योंकि लोग घर से काम कर रहे हैं, ओवर द टॉप मनोरंजन का इस्तेमाल कर रहे हैं और खेल से जुड़े कार्यक्रम की वापसी हो गई है। हालांकि 4जी फीचर फोन उतारे जाने से एआरपीयू की रफ्तार नरम पड़ सकती है। सबसे बड़ा संकेतक टैरिफ में बढ़ोतरी होगा, जो उसके लाभ में खासी बढ़ोतरी कर सकता है।

खुदरा क्षेत्र का प्रदर्शन बाजार के अनुमान के मुकाबले बेहतर रहा। आंकड़े हालांकि अभी भी कोविड पूर्व के मुकाबले अच्छे नहीं रहे, लेकिन

क्रमिक आधार पर मजबूत रिगकवरी हुई है, जिसकी वजह आवश्यक सामान मसलन खाद्य व ग्रॉसरी उत्पादों की उच्च बिक्री है। लॉकडाउन में धीरे-धीरे दी गई ढील से स्टोर में ज्यादा लोग पहुंचने लगे और खुदरा बिक्री समकक्ष कंपनियों के मुकाबले ज्यादा थी। राजस्व में 30 फीसदी की क्रमिक बढ़ोतरी मजबूत थी, जिसके कारण परिचालन लाभ में 60 फीसदी की उछाल आई जबकि अनुमान 35-40 फीसदी का था।

फिजिकल स्टोर जोड़ने के अतिरिक्त ओमनीचैनल पेशकश (खास तौर से जियोमार्ट) ने खुदरा की रफ्तार में खासी बढ़ोतरी की। विश्लेषकों ने कहा कि कंपनी का ध्यान सभी श्रेणियों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर है, जो



उसके कारोबार के राजस्व में इजाफा करेगा। वहीं रिफाइनिंग में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा, पेट्रोकेमिकल में क्रमिक आधार पर हालांकि सुधार दिखा। रिफाइनिंग में सकल रिफाइनिंग मार्जिन विश्लेषकों के अनुमान से कम रहा। आरआईएल के नतीजे शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद घोषित हुए। आरआईएल का जीडीआर शुक्रवार शाम लंदन स्टॉक एक्सचेंज में 1.1 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था।

लार्सन एंड टुब्रो पर इन्फ्रा क्षेत्र में कमजोरी का दबाव

मौजूदा वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में नुकसान पिछले दो दशकों में कंपनी के लिए पहला तिमाही नुकसान है

कृष्ण कांत
मुंबई, 1 नवंबर

भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक क्षेत्र में लगातार मंदी से लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) पर भी दबाव पड़ा है। कंपनी ने पहली बार वित्त वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में शुद्ध नुकसान (परिसंपत्तियों की बिक्री से एक-मुशत लाभ को छोड़कर) दर्ज किया है। एकीकृत या समूह स्तर पर, मुख्य व्यवसाय इंजीनियरिंग एवं निर्माण प्रभावित बने रहे और एलएंडटी ने अब अपने मुख्य व्यवसायों के मुकाबले आईटी सेवा सहायक इकाइयों से मुनाफा कमाया है।

एलएंडटी ने सितंबर तिमाही के दौरान मुख्य आधार पर लगातार परिचालन से 1,767 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया, जो एक साल पहले के 1,717 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही के 282 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के मुकाबले ज्यादा है।

सितंबर तिमाही में नुकसान पिछले दो दशकों में कंपनी के लिए पहला त्रैमासिक नुकसान है। शुद्ध बिक्री सालाना आधार पर 15 प्रतिशत कम रही, क्योंकि अनलॉक शुरू होने के बाद भी निर्माण गतिविधियों में सुधार की रफ्तार धीमी रही थी।

समेकित स्तर पर, एलएंडटी ने 1,410 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 45 प्रतिशत कम है, जिसमें परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ शामिल नहीं है। वहीं शुद्ध बिक्री में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

हालांकि कंपनी को तिमाही के दौरान अपना रियल्टी व व्यवसाय स्नाइडर इलेक्ट्रिक को बेचने से हुए करीब 8100 करोड़ रुपये के एकमुशत लाभ की वजह से बड़ी राहत मिली। इन लाभ को मिलाकर, एलएंडटी ने दूसरी तिमाही के दौरान स्टैंडएलॉन आधार पर 6,879 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

कंपनी ने इस रकम का एक बड़ा हिस्सा 2,500 करोड़ रुपये का

एकीकृत या समूह स्तर पर, मुख्य व्यवसाय इंजीनियरिंग एवं निर्माण पर असर जारी रहा

एलएंडटी ने अब अपने मुख्य व्यवसायों के मुकाबले आईटी सेवा सहायक इकाइयों से मुनाफा कमाया है

कंपनी को तिमाही के दौरान अपना रियल्टी व व्यवसाय स्नाइडर इलेक्ट्रिक को बेचने से हुए करीब 8100 करोड़ रुपये के एकमुशत लाभ की वजह से बड़ी राहत मिली

कंपनी ने इस रकम का एक बड़ा हिस्सा 2,500 करोड़ रुपये के विशेष लाभों और अपने कुछ ऋणों की अदायगी में खर्च करने की योजना बनाई है



विशेष लाभों और अपने कुछ ऋणों की अदायगी में खर्च करने की योजना बनाई है।

हालांकि दलाल पथ ने तिमाही नतीजों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई है और एलएंडटी गुरवार को सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर रहा और इसमें 5 प्रतिशत की कमजोरी आई जबकि उस दिन निफ्टी-50 में महज आधा प्रतिशत गिरावट आई। विश्लेषक स्टैंडएलॉन आधार पर शुद्ध नुकसान को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं, लेकिन उनके लिए बड़ी चिंता एलएंडटी के पूंजी-केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर खंडों के लगातार कमजोर मुनाफे को लेकर है।

नारनोलिया सिस्कोरिटीज में मुख्य निवेश अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने कहा, 'इम्पैयरमेंट शुरू अपेक्षित और लंबे समय से देय था। प्रबंधन ने परिसंपत्तियों की बिक्री से हुए मुनाफे का इस्तेमाल सितंबर तिमाही में बैलेंस शीट को साफ-सुथरा बनाने के लिए किया।'

इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए एलएंडटी का बड़ा निवेश हालांकि चिंता का कारण बना हुआ है। शैलेंद्र ने कहा, 'समेकित स्तर पर, एलएंडटी की लाभग आधी बैलेंस शीट बिजली, सड़क और मेट्रो समेत विभिन्न कमजोर प्रदर्शन वाली परियोजनाओं में फंसी हुई है, जिससे समेकित स्तर पर संपूर्ण लाभ पर दबाव पड़ा है। इसका उसके मूल्यांकन और शेयर भाव पर भी प्रभाव दिखा है।'

समेकित स्तर पर, कंपनी अब अपना राजस्व और मुनाफा बढ़ाने के लिए आईटी और प्रौद्योगिकी सेवा खंड पर निर्भरता बढ़ा रही है। वित्त वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में आईटी खंड का 1,131 करोड़ रुपये का पीबीआईटी उसके इन्फ्रास्ट्रक्चर खंड के लाभ के मुकाबले करीब दोगुना था और आया तथा राजस्व में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज करने के लिहाज से यह एकमात्र प्रमुख सेगमेंट था।

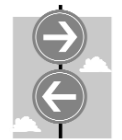
इस खंड का पीबीआईटी दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत तक बढ़ा, जो एलएंडटी के समेकित पीबीआईटी में 31 प्रतिशत की गिरावट और इन्फ्रास्ट्रक्चर खंड के मुनाफे में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की कमजोरी के मुकाबले अच्छा था।

दो सूचीबद्ध सहायक इकाइयों - एलएंडटी इन्फोटेक और एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के अधीन आईटी खंड व्यवसाय का वित्त वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में एलएंडटी के कुल पीबीआईटी में 40 प्रतिशत योगदान रहा जो एक साल पहले के 21 प्रतिशत के योगदान से करीब दोगुना है।

अक्टूबर में एफपीआई का निवेश 22 हजार करोड़ रुपये

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों में अक्टूबर में 22,033 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। इसकी मुख्य वजहें आर्थिक गतिविधियों का पुनः शुरु होना तथा सितंबर तिमाही में कंपनियों का बढ़िया परिणाम रहा। इससे पहले सितंबर में एफपीआई ने 3,419 करोड़ रुपये की लाभग आधी बैलेंस शीट बिजली, सड़क और मेट्रो समेत विभिन्न कमजोर प्रदर्शन वाली परियोजनाओं में फंसी हुई है, जो सत राजस्व प्रति ग्राहक में आई उछाल की अनुआई में हुई। क्रमिक आधार पर कंपनी का एआरपीयू 3.3 फीसदी रहा (ग्राहक जुड़ाव से), जो भारती एयरटेल के प्रति ग्राहक राजस्व से थोड़ा ज्यादा है। वहीं इसमें हुई 13 फीसदी की हुई सालाना बढ़ोतरी पिछले साल दिसंबर में हुई कीमत बढ़ोतरी के कारण हुई। एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले ग्राहकों में 1.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई जबकि क्रमिक आधार पर 2.6 फीसदी। ज्याके ग्राहकों की संख्या में एयरटेल के मुकाबले कम बढ़ोतरी हुई लेकिन इसके ग्राहकों का आधार एयरटेल के मुकाबले 38 फीसदी ज्यादा रहा। राजस्व में मजबूत बढ़ोतरी से सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 53 फीसदी की बढ़ोतरी में मदद मिली।

एआरपीयू अब डेटा के ज्यादा इस्तेमाल से ऊपर जाने की संभावना है क्योंकि लोग घर से काम कर रहे हैं, ओवर द टॉप मनोरंजन का इस्तेमाल कर रहे हैं और खेल से जुड़े कार्यक्रम की वापसी हो गई है। हालांकि 4जी फीचर फोन उतारे जाने से एआरपीयू की रफ्तार नरम पड़ सकती है। सबसे बड़ा संकेतक टैरिफ में बढ़ोतरी होगा, जो उसके लाभ में खासी बढ़ोतरी कर सकता है।



बाजार हलचल

कमजोर नजर आ रहा है शेयर बाजार का रुख

पिछले हफ्ते बेंचमार्क निफ्टी 2.4 फीसदी टूटकर 11,642 पर बंद हुआ। लगातार हो रही तेजी के बाद बाजार अब झंझावात वाली अवधि में प्रवेश कर सकता है। तकनीकी विश्लेषकों के मुताबिक, निफ्टी में जोखिम की स्थिति है। एचडीएफसी सिस्कोरिटीज के तकनीकी शोध विश्लेषक नागराज शेटी ने कहा, साप्ताहिक चार्ट में निफ्टी ने लॉंग बेयर कैंडल बनाया है और 11,600 के स्तर पर ट्रेड लाइन सपोर्ट मिल सकता है। मंदियों के लिए 11,600-11,550 का निचला सपोर्ट लेवल अहम हो सकता है। इस समर्थन स्तर के नीचे और कमजोरी देखने को मिल सकती है और अगले कुछ हफ्ते में यह 11,200 के स्तर पर आ सकता है।

सुदर सेतुरामन

मौजूदा कर्मी बन सकते हैं एचडीएफसी एएमसी के प्रमुख

एचडीएफसी एएमसी मिलिंद बर्वे की जगह अपने समूह से ही एक उम्मीदवार को चुन सकती है, जिन्होंने 31 जनवरी, 2021 तक प्रबंध निदेशक के पद पर बने रहने पर सहमति जताई है। प्रतियर्थी म्थुचुअल फंडों के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का नाम इस पद के लिए उछला है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बरवे की जगह समूह के ही किसी कर्मी को तैनात किए जाने की पूरी संभावना है।

